# "उपकार प्रतिनिधिमंडल द्वारा चन्द्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के बाजरा प्रायोगिक क्षेत्र के भ्रमण की कार्यवृत्त"

## *"श्री अन्न (मिलेट्स) प्रायोगिक क्षेत्र"*

**उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार), लखनऊ, उत्तर प्रदेश**

**चन्द्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश**

*"भ्रमण की तिथि: 13 सितम्बर, 2025"*

***प्रतिनिधिमंडल के सदस्य:***

- डॉ. संजय सिंह, महानिदेशक, उपकार
- डॉ. परमेन्द्र सिंह, उप महानिदेशक, उपकार
- डॉ. राजर्षि कुमार गौड़, उप महानिदेशक, उपकार
- डॉ. हिमांशु तिवारी, महानिदेशक के तकनीकी सचिव, उपकार
- श्री अभिजीत, वैज्ञानिक अधिकारी, उपकार

यह भ्रमण परियोजना की प्रमुख अन्वेषक डॉ. श्वेता तथा उनकी टीम द्वारा चन्द्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर में समन्वित किया गया।

डॉ. संजय सिंह, महानिदेशक, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार), लखनऊ ने 13 सितम्बर 2025 को चन्द्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय (सी.एस.ए.यू.ए.टी.), कानपुर के छात्र प्रशिक्षण फार्म (एस.आई.एफ.) स्थित बाजरा प्रायोगिक क्षेत्र का भ्रमण किया। यह भ्रमण उपकार द्वारा वित्तपोषित परियोजना 'खाद्य, चारा एवं पोषण सुरक्षा हेतु श्रेष्ठ नाचनी (*एल्यूसाइन कोराकाना*) किस्मों की पहचान एवं संवर्धन' की प्रगति की समीक्षा हेतु आयोजित किया गया।

भ्रमण के दौरान डॉ. संजय सिंह के साथ डॉ. परमेंद्र सिंह, उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण), डॉ. राजर्षि कुमार गौड़, उप महानिदेशक (अनुसंधान परियोजना प्रबंधन एवं समन्वय), डॉ. हिमांशु तिवारी, तकनीकी सचिव (महानिदेशक) तथा श्री अभिजीत, वैज्ञानिक अधिकारी (प्रसार) उपस्थित रहे। टीम ने चल रहे क्षेत्रीय प्रयोगों का गहन मूल्यांकन किया। इस अवसर पर 270 नाचनी (फिंगर मिलेट) जर्मप्लाज्म पंक्तियों के साथ-साथ अन्य प्रमुख लघु-अनाज जैसे सांवा, कांगनी और कोदो का भी सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। ज्वार, बाजरा तथा अन्य लघु-अनाज की क्षेत्रीय परीक्षण क्यारियों का भी अवलोकन किया गया, जिससे स्थल पर चल रही फसल सुधार गतिविधियों का व्यापक दृष्टिकोण प्राप्त हुआ। डॉ. सिंह ने विशेष रूप से कई संभावनाशील नाचनी जीनोटाइप्स पर ध्यान दिया, जो उत्कृष्ट कृषि-आकृतिक प्रदर्शन प्रदर्शित कर रहे थे, तथा उन्होंने बदलती जलवायु परिस्थितियों में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को सुदृढ़ करने में उनकी संभावित भूमिका पर बल दिया।

"अतिथियों के साथ डॉ. श्वेता, परियोजना की प्रमुख अन्वेषक; डॉ. विजय कुमार यादव, प्रमुख, जेनेटिक्स एवं प्लांट ब्रीडिंग विभाग; डॉ. पी. के. सिंह, प्रोफेसर; और डॉ. आर. के. यादव, निदेशक, प्रसार उपस्थित थे। डॉ. श्वेता ने परियोजना की प्रायोगिक रूपरेखा और प्रगति पर विस्तार से प्रकाश डाला, मूल्यांकित जीनोटाइप्स के कृषि-आकृतिक और पोषण संबंधी गुणों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने ब्रीडिंग और किस्म विकास के लिए उच्च संभावनाशील कुछ नाचनी पंक्तियों को भी प्रस्तुत किया।"

"क्षेत्रीय निरीक्षण के पश्चात, महानिदेशक डॉ. संजय सिंह और उपकार प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति डॉ. ए. के. सिंह से भेंट की, ताकि जलवायु सहनशीलता, सतत् कृषि और पोषण सुरक्षा के संदर्भ में बाजरा अनुसंधान

के रणनीतिक महत्व पर चर्चा की जा सके। कुलपति ने राज्य और राष्ट्रीय कृषि प्राथमिकताओं को संबोधित करने में परियोजना की प्रासंगिकता पर बल दिया, साथ ही बाजरा संवर्धन पर वर्तमान अनुसंधान प्रवृत्तियों के साथ इसकी संरेखण को स्वीकार किया।"

"अपने समापन भाषण में, डॉ. संजय सिंह ने परियोजना टीम के व्यवस्थित प्रयासों की सराहना की और प्रायोगिक परिणामों एवं चल रही गतिविधियों से संतोष व्यक्त किया। उन्होंने वैज्ञानिकों की समर्पित भूमिका की प्रशंसा की और जर्मप्लाज्म मूल्यांकन, किस्म विकास तथा श्रेष्ठ बाजरा जीनोटाइप्स के किसान-केंद्रित प्रचार पर आगे के कार्यों के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बाजरा, विशेषकर नाचनी, जलवायु-सहनशील पोषण-अनाज के रूप में अत्यधिक संभावनाशील हैं और सतत् खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।"

श्री अन्न (मिलेट्स) पुनर्जीवन कार्यक्रम के अंतर्गत उपकार दल का बाजरा प्रयोगात्मक क्षेत्र पर भ्रमण

( Sanjay Singh )
Director General
U.P. Council of Agricultural Research
Lucknow